an>

Title: Need to undertake development of historical places in Kalpi in Uttar Pradesh as tourist places.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र जालौन गरौठा भोगनीपुर में कालपी नगर है जिसे महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास के जन्म स्थान के रूप में जाना जाता है। बुंदेलखंड के प्रवेश द्वार के रूप में मशहूर यमुना के किनारे बसा यह नगर खगोल विज्ञान की दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण है। कोणार्क के बाद कालपी में विश्व का दूसरा सूर्य मंदिर एवं सूर्य कुंड है जो पृथ्वी का मध्य माना जाता है। सूर्य ग्रहण पड़ने पर कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक यहां पर शोध करने के लिए आते हैं। इसके साथ ही यहां चौरासी गुंबद, लंका मीनार, पचपंडा देवी, काली मंदिर, वनखंडे देवी जैसे ऐतिहासिक स्थल हैं जो हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र हैं। ऐतिहासिक अभिलेखों के आधार पर यहां पर पांडवों ने अपने अज्ञातवास का समय व्यतीत किया था तथा यहीं पर भीष्म पितामह ने आजीवन अविवाहित रहने की प्रतिज्ञा की थी। इसी तहसील के अंतर्गत परासन गांव में वेद व्यास के पिता ऋषि पाराशर का भी आश्रम है जिसके प्रांगण में बने अद्भुत तालाब में पितृ पक्ष के माह में रंग-बिरंगी मछलियों के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु आते हैं। उल्लेखनीय है कि यहां मछलियां केवल पितृ पक्ष के माह में ही दिखाई देती हैं।

स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत के कालपी ने बुंदेलखंड का प्रतिनिधित्व किया है। यहां महारानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से युद्ध किया था। इसके साथ ही चंद्रशेखर आजाद ने भी अपना अज्ञातवास यहीं व्यतीत किया था। व्यापारिक दृष्टि से कालपी का हस्तनिर्मित कागज भी विश्व में प्रसिद्ध है।

अत: सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि कालपी तहसील के इस गौरवपूर्ण अतीत को देखते हुए इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाए।